MAHD-09

June - Examination 2018

MA (Final) Hindi Examination

लोक साहित्य

Paper - MAHD-09

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **8 × 2 = 16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) लोक को परिभाषित कीजिए।

(ii) रामनरेश त्रिपाठी के अवदान पर टिप्पणी कीजिए।

(iii) लोकगाथा की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(iv) 'घूमर' किसे कहते हैं?

(v) विवाह गीत से आप क्या समझते हैं?

(vi) लोकनाट्य को परिभाषित कीजिए।

(vii) रामदेवजी पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

(viii) लोरिकी की गायन विधि लिखिए।

खण्ड – ब **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) लोक संस्कृति से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

3) ''किसी भी राष्ट्र की आत्मा का सच्चा प्रतिविम्ब उसकी लोक संस्कृति में निहित रहता है'' इस कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

4) कथानक रूढ़ियाँ कथा के विकास मे सहायक होती हैं। स्पष्ट कीजिए।

5) राजस्थान की लोकनाट्य शैलियों का वर्गीकरण करते हुए प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

6) किन्हीं दो लोकवाद्य का परिचय दीजिए।

7) राजस्थानी लोककथाओं की विशेषता को निरूपित कीजिए।

8) लोकविश्वास से आप क्या समझते हैं?

9) लोकगीत मूलतः जीवन के मंगलगान हैं स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – स **2 × 16 = 32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) राजस्थान की प्रमुख पाँच लोकदेवियों का परिचय व महत्त्व बतलाते हुए लोकआस्था और लोकसंस्कृति पर प्रकाश डालिए।

11) लोकगीत मानव मन के सहज संगीत है।'' इस कथन के आलोक में लोकगीत की विशेषताओं को निरूपित कीजिए।

12) लोक गाथा से आप क्या समझते हैं? राजस्थान की प्रमुख लोककथाओं का परिचय देते हुए स्पष्ट कीजिए कि लोकगाथा समाज के चरित्र को निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाते हैं?

13) प्रमुख लोकदेवता पर टिप्पणी लिखिए।

    (i) पाबूजी

    (ii) देवनारायण जी